महिला समूह के सफलता की कहानी

महिला समूह का नाम	– ईषिता उर्जा महिला समूह
ग्राम	– मध्य हलुदबनी
पंचायत	– हलुदबनी
प्रखण्ड	– जमशेदपुर
जिला	– पूर्वी सिंहभूम
गठन की तिथि	– 24–04–2016
सदस्य की सं0	– 10

सुकमती–सुमित्रा ने की मशरूम और सब्जी की खेती से स्वालंबन

सुकमती सोय ओर सुमित्रा गागराई काफी मेहनती महिला किसान है। वर्ष 2016 में इन्होंने ईषिता उर्जा महिला समूह का गठन किया। समूह से जुड़ी अधिकतर महिलाएँ दैनिक मजदूरी कर अपना परिवार चलाती है। सबसे पहले समूह की महिलाओं ने सरसों एवं फुलगोभी की खेती लगभग आधे एकड़ खेत में की । सभी महिला सदस्य बार–बारी से खेती कार्य में सहयोग करती है। साग–सब्जी बेच कर 45–50 हजार रूपये का आमदनी जब हुआ तो इनके लिए किसी उत्साह से कम नहीं था। करनडीह, परसुडीह एवं अपने गाँव हलुदबनी के आस–पास में लगने वाले दैनिक बाजार में आसानी से साग–सब्जी का व्यापार ईषिता उर्जा महिला समूह की महिलाएं करने लगी। सुकमती सोय और सुमित्रा गागराई को कृषि से होने वाले आमदनी कहीं दैनिक मजदूरी करने से बेहतर लगने लगा।

आत्मा से मिला मशरूम की उन्नत तकनीक से व्यावसायिक खेती

सुकमती और सुमित्रा के प्रयास से 2019 में आत्मा सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना के द्वारा क्षमता विकास प्रशिक्षण दिया गया जिसका विषय था मशरूम की उन्नत तकनीक से व्यावसायिक खेती। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में समूह के सभी महिलाओं ने भाग लिया। व्यावसायिक तरीके से मशरूम की खेती के बारे में तकनीकी जानकारी लेकर सभी महिलाएँ समूह में मशरूम का उत्पादन करना शुरू किया। मशरूम का उत्पादन कर इस समूह को लगभग 70–80 हजार रूपये लाभ प्राप्त हुआ।

इन दोनों महिला ने अपने समूह को साथ में खेती के अलावे पशुपालन करने का सुझाव दिया। तब समूह ने मुर्गी पालन शुरू किया। थोक बाजार में मुर्गी का व्यावसाय कर इस समूह ने 1.30 लाख रूपये मुनाफा कमाया। इस तरह से समूह में जुड़कर उन्नत तकनीक से व्यावसायिक खेती कर इन्हें अच्छा मुनाफा प्राप्त होने लगा। समूह को होने वाले शुद्ध लाभ को ये महिलाएँ आपस में बराबर बाँट लेती थी।

मशरूम की खेती, सब्जी की खेती एवं मुर्गी पालन करने से समूह से जुड़ी सभी महिलाओं का पारिवारिक स्थिति पहले की अपेक्षा काफी बेहतर हो गया। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होने से अब इन महिलाओं को अन्यत्र ठेकेदारी में दैनिक मजदूरी भी नहीं करना पड़ रहा है।

SMAE योजनान्तर्गत किसानों का
क्षमता विकास प्रशिक्षण
वर्ष : 2019-20

SMAE
2019-20